

**GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF AYUSH**

**RAJYA SABHA  
STARRED QUESTION No. 34  
ANSWERED ON 6<sup>TH</sup> FEBRUARY, 2024**

**Health and wellness centres in Bihar**

**34 Prof. Manoj Kumar Jha:**

Will the Minister of *Ayush* be pleased to state:

- (a) the details of total number of AYUSH Health and Wellness centres in the State of Bihar, district-wise;
- (b) the total number of such centres operational and non-operational in Bihar; and
- (c) the total number of personnels employed at those centres?

**ANSWER**

**THE MINISTER OF AYUSH  
(SHRI SARBANANDA SONOWAL)**

- (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

**The Statement referred to in reply to Rajya Sabha Starred Question No. 34 for 6<sup>th</sup> February, 2024**

(a) Under Centrally Sponsored Scheme of National AYUSH Mission (NAM), as per the proposals received from State Government of Bihar through their State Annual Action Plans (SAAPs), 294 units of existing Ayush Dispensaries and Health Sub-centres have been approved to be upgraded as Ayush Health and Wellness Centres (AHWCs). The district-wise details of approved and operational AHWCs are furnished at **Annexure**.

(b) As implementation of NAM scheme comes under the purview of respective State Government and accordingly as reported by the State Government of Bihar, 113 AHWCs are operational and 181 AHWCs are non-operational.

(c) As per the information received from the State Government of Bihar, 185 Ayush medical officers are deputed as Community Health Officers (CHOs) in the AHWCs.

\*\*\*\*\*

**Annexure referred in reply to the Rajya Sabha Starred Question No. 34 for 6<sup>th</sup> February, 2024**

**Annexure**

**District-wise details of approved and operational Ayush Health and Wellness Centres (AHWCs) in Bihar**

SI. No.	Name of District	Approved Ayush HWC Units	Operational Ayush HWC Units
1	Araria	3	0
2	Arwal	7	1
3	Aurangabad	19	6
4	Banka	4	2
5	Begusarai	10	5
6	Bhagalpur	8	4
7	Bhojpur	2	2
8	Buxar	4	2
9	Darbhanga	9	8
10	East Champaran	16	5
11	Gaya	6	1
12	Gopalganj	10	7
13	Jamui	2	0
14	Jehanabad	11	0
15	Kaimur (Bhabua)	9	3
16	Katihar	1	1
17	Khagaria	5	1
18	Kishanganj	13	1
19	Lakhisarai	3	0
20	Madhepura	3	1
21	Madhubani	16	8
22	Munger	0	0
23	Muzaffarpur	4	4
24	Nalanda	10	5
25	Nawada	8	5
26	Patna	11	11
27	Purnia	14	0
28	Rohtas	8	5
29	Saharsa	8	3
30	Samastipur	16	6
31	Saran	9	2
32	Sheikhpura	4	0
33	Sheohar	1	0
34	Sitamarhi	11	2
35	Siwan	6	2

36	Supaul	4	0
37	Vaishali	12	8
38	West Champaran	7	2
<b>Total</b>		<b>294</b>	<b>113</b>

**बिहार में स्वास्थ्य और आरोग्य केन्द्र**

\*34. प्रो. मनोज कुमार झा:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) बिहार राज्य में आयुष स्वास्थ्य और आरोग्य केन्द्रों की कुल संख्या का जिला-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) बिहार में ऐसे कुल कितने केन्द्र कार्यशील हैं और कितने केन्द्र कार्य नहीं कर रहे हैं; और
- (ग) उन केन्द्रों में कुल कितने कार्मिक नियोजित हैं?

**उत्तर**

**आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)**

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

**राज्य सभा में 06 फरवरी, 2024 को पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या 34\* के उत्तर में उल्लिखित विवरण**

(क): राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, बिहार राज्य सरकार से उनके राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, मौजूदा आयुष औषधालयों और स्वास्थ्य उप-केंद्रों की 294 इकाइयों को आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) के रूप में उन्नत किए जाने हेतु मंजूरी दी गई है। अनुमोदित और कार्यशील एचडब्ल्यूसी का जिला-वार ब्योरा **संलग्नक** पर दिया गया है।

(ख): चूंकि एनएएम योजना का कार्यान्वयन संबंधित राज्य सरकार के कार्यक्षेत्र में आता है और तदनुसार, बिहार राज्य सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, 113 एचडब्ल्यूसी कार्यशील हैं और 181 एचडब्ल्यूसी कार्य नहीं कर रहे हैं।

(ग): बिहार राज्य सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 185 आयुष चिकित्सा अधिकारियों को एचडब्ल्यूसी में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है।

\*\*\*\*\*

## बिहार में अनुमोदित और कार्यशील आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) का जिला-वार ब्यौरा

क्र.सं.	जिले के नाम	स्वीकृत आयुष एचडब्ल्यूसी इकाइयाँ	कार्यशील आयुष एचडब्ल्यूसी इकाइयाँ
1	अररिया	3	0
2	अरवल	7	1
3	औरंगाबाद	19	6
4	बांका	4	2
5	बेगूसराय	10	5
6	भागलपुर	8	4
7	भोजपुर	2	2
8	बक्सर	4	2
9	दरभंगा	9	8
10	पूर्वी चंपारण	16	5
11	गया	6	1
12	गोपालगंज	10	7
13	जमुई	2	0
14	जहानाबाद	11	0
15	कैमूर (भभुआ)	9	3
16	कटिहार	1	1
17	खगरिया	5	1
18	किशनगंज	13	1
19	लखीसराय	3	0
20	मधेपुरा	3	1
21	मधुबनी	16	8
22	मुंगेर	0	0
23	मुजफ्फरपुर	4	4
24	नालन्दा	10	5
25	नवादा	8	5
26	पटना	11	11
27	पूर्णिया	14	0
28	रोहतास	8	5
29	सहरसा	8	3
30	समस्तीपुर	16	6
31	सारण	9	2
32	शेखपुरा	4	0
33	शिवहर	1	0
34	सीतामढ़ी	11	2
35	सिवान	6	2
36	सुपौल	4	0
37	वैशाली	12	8
38	पश्चिमी चंपारण	7	2
कुल		294	113

SHRI SAKET GOKHALE: Sir, several AYUSH Wellness Centres have been opened by the Government across hospitals in India. These centres offer alternative treatment, including homoeopathy. There is a huge body of global documented and peer-reviewed work across decades, which shows that there are no results, showing that homoeopathy is an illegitimate form of medicinal treatment. In fact, it is quackery. Several countries have even banned homoeopathy. So, on what basis, is a quack and untested treatment, like homeopathy, being promoted in Ayush Wellness Centres in hospitals over modern science-based medicines across India?

DR. MUNJAPARA MAHENDRABHAI: Sir, the Ministry of AYUSH launched the Centrally Sponsored Scheme of National Ayush Mission (NAM) on 15<sup>th</sup> September, 2014, for implementation in the States and UTs. It aims at providing cost-effective and equitable Ayush healthcare to the common people by strengthening preventive and promotive aspect in primary healthcare and holistic wellness model and improving Ayush educational institutes for imparting quality education. The success story of the Ayush Health and Wellness Centres is that in these centres, treatment under all the systems of Ayush, namely, Ayurveda, Homeopathy, Unani, Siddha and Sowa Rigpa is given to the patients. Its success story suggests that Ayush Health and Wellness Centres are providing holistic wellness model on Ayush principle and they practise focussing on preventive, promotive, curative and rehabilitative healthcare by establishing integrity with the existing public healthcare system.

As reported by the States and UTs, the footfall of the beneficiaries has increased at the dispensaries which have been upgraded with the Ayush Health and Wellness Centres to avail different types of facilities like OPD-related services, Yoga-related activities, Prakriti Parikshan-related activities, counselling, screening, getting educated about preventive aspect of healthcare, etc. This includes homeopathy also. Some of the States and UTs are also providing Panchkarma-related procedures in the Ayush Health and Wellness Centres. At these Centres, the orientation is also being provided about the importance of medicinal plants. So, Ayush treatment is beneficial and all the branches of the Ayush are really beneficial to the patients. Thank you.

**श्री सभापति:** श्री निरंजन बिशी।

**श्री निरंजन बिशी:** सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि ओडिशा में गंधमर्दन पर्वत है, जहाँ 12 हजार से ज्यादा जीवन रक्षक हर्बल मेडिसिंस, लाइफ सेविंग हर्बल मेडिसिन मौजूद हैं। बहुत सारी कंपनियाँ लोकल वैद्यों को लगा कर सरकार की परमिशन के



बिना लाइफ सेविंग हर्बल मेडिसिन को ले जाती हैं। क्या हमारा आयुष मंत्रालय उनके प्रिजर्वेशन और प्रॉपर यूटिलाइजेशन के लिए उस गंधमर्दन पर्वत की लाइफ सेविंग हर्बल मेडिसिन का सदुपयोग करेंगे और उनका प्रिजर्वेशन करेंगे?

**श्री सभापति:** माननीय मंत्री जी।

**डा. मुंजापारा महेन्द्रभाई:** रेस्पेक्टेड चेयरमैन सर, पूरे भारत में आयुष की जड़ी-बूटियाँ बहुत अच्छी तरह से फैली हुई हैं। हमारे पूर्वज, हमारे ऋषि-मुनि भी इन्हीं जड़ी-बूटियों को यूज करके लोगों को ठीक करते थे और इनके बारे में नॉलेज भी दी जाती थी। नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड के जरिए जो हर्बल प्लांट्स हैं, उनका सर्वे किया जाता है। यदि आप हमें इसके बारे में स्टेट की ओर से प्रपोज़ल भिजवाएँगे, तो आपके ओडिशा में जो जड़ी-बूटियाँ हैं, हम उनकी स्टडी करवाएँगे और देश के लोगों को बेनिफिट पहुँचाने के लिए हम पूरा प्रयत्न करेंगे।

**श्री सभापति:** डा. अशोक बाजपेयी।

**डा. अशोक बाजपेयी:** माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूँगा कि आयुष चिकित्सा पद्धति भारत की बड़ी प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। मान्यवर, आज से नहीं, बल्कि काफी पहले से आयुष चिकित्सा पद्धति पर भारतीय जनमानस का बहुत भरोसा रहा है, विश्वास रहा है। आज मैं देखता हूँ कि आयुष चिकित्सा पद्धति पर प्रश्नचिह्न नहीं है, लेकिन हमारी आयुष की जो दवाएँ बन रही हैं, उनकी गुणवत्ता उस कोटि की न होने के कारण वे उतनी प्रभावी नहीं होतीं। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि आयुष की दवाओं की हमारी जो भी निर्मात्री फार्मसीज़ हैं, क्या उनकी गुणवत्ता को बनाए रखने की दिशा में सरकार कोई कार्रवाई करने जा रही है, ताकि हमारी आयुष की गुणवत्ता वैश्विक स्तर पर स्थापित हो सके और हमारी दवाओं का लाभ सारी दुनिया उठा सके?

**श्री सभापति:** माननीय मंत्री जी।

**डा. मुंजापारा महेन्द्रभाई:** सर, आयुष की जो medicines हैं, उनकी गुणवत्ता के बारे में माननीय सदस्य ने एक बहुत ही अच्छा सवाल उठाया है। Drugs and Cosmetics Rules के अन्तर्गत उनका अच्छी तरह से परीक्षण किया जाता है और जो Pharmacopoeia Commission for Indian Medicine and Homeopathy है, उसके प्रमाण के अनुसार और WHO के जो प्रमाण हैं, उनके अनुसार आयुष की सारी medicines का उत्पादन किया जाता है, जिससे सब लोगों को अच्छी क्वालिटी की medicines मिलें। Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Q. No. 35.